

=====

AVYAKT MURLI

16 / 11 / 81

=====

16-11-81

ओम शान्ति

अव्यक्त बापदादा

मधुबन

"विजयमाला में नम्बर का आधार"

अव्यक्त बापदादा अपने विजयी रत्नों, बच्चों के प्रति बोले:-

“आज बापदादा अपने सिकीलधे श्रेष्ठ आत्माओं से फिर से मिलने आये हैं। याद आता है कि - इसी समय, इसी रूप में कितने बार मिले हो? अनेक बार मिलन की स्मृति स्पष्ट रूप में अनुभव में आती है? नालेज के आधार पर, चक्र के हिसाब से समझते हो वा अनुभव करते हो? जितना स्पष्ट अनुभव होगा उतना ही श्रेष्ठ वा समीप की आत्मा होंगे। वर्तमान सर्व प्राप्ति और भविष्य श्रेष्ठ प्रालब्ध की अधिकारी आत्मा होंगे। अपने आपको

इसी अनुभव के आधार पर जान सकते हो कि मुझ आत्मा का विजय माला में कौन सा नम्बर है! वर्तमान समय बापदादा भी बच्चों के पुरुषार्थ और प्राप्ति के आधार पर नम्बरवार याद करते अर्थात् माला और यादगार रूप की विजय माला, जिसको वैजयन्ती माला कहते हैं। तो दोनों मालाओं में मेरा नम्बर कौन-सा है, यह जानते हो? अपने नम्बर को स्वयं ही जानते हो वा यह कहेंगे कि बापदादा सुनावें? बापदादा तो जानते ही हैं, लेकिन अपने आप को जानते जरूर हो। बाहर से वर्णन करो, न करो लेकिन अन्दर तो जानते हो ना? हाँ कहेंगे, वा न कहेंगे? अभी अगर बापदादा माला निकलवायें तो क्या अपना नम्बर नहीं दे सकते? संकोच वश न सुनाओ वह दूसरी बात है। अगर नहीं जानते तो क्या कहेंगे? औरों को चैलेन्ज करते हो, निश्चय और फखुर से कहते हो कि हम अपने 84 जन्मों की जीवन कहानी जानते हैं, यह कहते हो ना सभी? तो 84 जन्म में यह वर्तमान का जन्म तो सबसे श्रेष्ठ है ना! इसको नहीं जान सकते हो? मैं कौन? इस पहली को अच्छी तरह से जाना है ना? तो यह भी क्या हुआ? मैं कौन की पहली। जानने का हिसाब बहुत सहज है। एक है- याद की माला, तो जितना स्नेह और जितना समय आप बाप को याद करते उतना और उसी स्नेह से बाप भी याद करते हैं। तो अपना नम्बर निकाल सकते हो। अगर आधा समय याद रहता और स्नेह भी 50 का है, वा 75 का है तो उसी आधार से सोचो 50 स्नेह और आधा समय याद तो माला में भी आधी माला समाप्त होने के बाद आयेंगे। अगर याद निरन्तर और सम्पूर्ण स्नेह,

सिवाए बाप के और कोई नजर ही नहीं आता, सदा बाप और आप भी कम्बाइन्ड हैं तो माला में भी कम्बाइन्ड दाने के साथ-साथ आप भी कम्बाइन्ड होंगे। अर्थात् साथ-साथ मिले हुए होंगे। सदा सब बातों में नम्बर वन होंगे। तो माला में भी नम्बरवन होंगे। जैसे लौकिक पढ़ाई में फर्स्ट डिवीजन, सेकेण्ड, थर्ड होती हैं, वैसे यहाँ भी महारथी, घोड़े सवार और पैदल तीन डिवीजन हैं।

फर्स्ट डिवीजन- सदा फास्ट अर्थात् उड़ती कला वाले होंगे। हर सेकेण्ड, हर संकल्प में बाप के साथ का, सहयोग का, स्नेह का अनुभव करेंगे। सदा बाप के साथ और हाथ में हाथ की अनुभूति करेंगे। 'सहयोग दो,' यह नहीं कहेंगे। सदा स्वयं को सम्पन्न अनुभव करेंगे।

सेकेण्ड डिवीजन- चढ़ती कला का अनुभव करेंगे लेकिन उड़ती कला का नहीं। चढ़ती कला में आये हुए विघ्नों को पार करने में कभी ज्यादा, कभी कम समय लगायेंगे। उड़ती कला वाले ऊपर से क्रास करने के कारण ऐसे अनुभव करेंगे जैसे कोई विघ्न आया ही नहीं। विघ्न को विघ्न नहीं लेकिन साइडसीन समझेंगे, रास्ते के नजारे हैं। और चढ़ती कला वाले- रूकेंगे, विघ्न है यह महसूस करेंगे। इसलिए जरा-सा लेसमात्र कभी-कभी पार करने की थकावट वा दिलशिकस्त होने का अनुभव करेंगे।

तीसरी डिवीजन- उसको तो जान गये होंगे। रूकना और चलना और चिल्लाना। कभी चलेंगे, कब चिल्लायेंगे। याद की मेहनत में रहेंगे। क्योंकि सदा कम्बाइन्ड नहीं रहते। सर्व सम्बन्ध निभाने के प्रयत्न में रहते हैं। पुरुषार्थ में ही सदा लगे रहते हैं। वह प्रयत्न में रहते और वह प्राप्ति में रहते।

तो इससे अभी समझो- "मेरा नम्बर कौन-सा?" माला के आदि में है अर्थात् फर्स्ट डिवीजन में है वा माला के मध्य में अर्थात् सेकेण्ड डिवीजन में वा माला के अन्त में अर्थात् थर्ड डिवीजन में है? तो याद और विजय दोनों के आधार से अपने आपको जान सकते हो। तो जानना सहज है वा मुश्किल है? तो हरेक का नम्बर निकलवायें? निकाल सकेंगे ना?

बापदादा सदा अमृतवेले से बच्चों की माला सिमरण करने शुरू करते हैं। हरेक रत्न की वा मणके की विशेषता देखते हैं। तो अमृ- तवेले सहज ही अपने आपको भी चेक कर सकते हो। याद की शक्ति से, सम्बन्ध की शक्ति से, स्पष्ट रूहानी टी.वी. में देख सकते हो कि बापदादा किस नम्बर में मुझे सिमरण कर रहे हैं। उसके लिए विशेष बात- बुद्धि की लाइन बहुत क्लीयर चाहिए। नहीं तो स्पष्ट नहीं देख सकेंगे। अच्छा, समझा मैं कौन हूँ!

अब तो समय की समीपता कारण स्वयं को बाप के समान अर्थात् समानता द्वारा समीपता में लाओ। संकल्प, बोल, कर्म, संस्कार और सेवा सब में बाप जैसे समान बनना अर्थात् समीप आना। चाहे पीछे आने वाले हों चाहे पहले। लेकिन समानता से समीप आ सकते हो। अभी सभी को चांस है। अभी सीट फिक्स की सीटी नहीं बजी है। इसलिए जो चाहो वह बन सकते हो। अभी 'टू लेट' का बोर्ड नहीं लगा है। इसलिए क्या करेंगे? महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश दोनों हैं ना! महाराष्ट्र का तो नाम ही "महा" है। तो महान ही हो गया ना! मध्यप्रदेश की क्या विशेषता है? जानते हो? बापदादा की सेवा के आदि में पहली नजर मध्यप्रदेश की तरफ गई। बच्चों को भी भेजा था। तो सेवा के क्षेत्र में पहली नजर जब मध्य प्रदेश पर गई तो मध्य प्रदेश की सेवा में और सेवा का प्रत्यक्षफल खाने में पहला नम्बर होगा ना? क्योंकि बापदादा की विशेष नजर पड़ी। जहाँ नजर पड़ी वा नम्बरवन नजर से निहाल हो गये ना! इसलिए दोनों ही महान हो।

महाराष्ट्र में बापदादा के साकार में चरण पड़े। चरित्र भूमि भी महाराष्ट्र को बनाया। तो महाराष्ट्र क्या करेगा? महाराष्ट्र को तो डबल फल देना पड़ेगा। क्या डबल फल देंगे? देखें, पहले टच होता है कि क्या फल देना है? अगर टच नहीं होता तो महाराष्ट्र से मध्य प्रदेश वन नम्बर हो जायेगा।

एक है वारिस और दूसरे हैं वी. आई. पीज.। तो वारिस भी निकालने हैं और वी. आई. पीज. भी निकालने हैं, यह है डबल फल। कहाँ वी. आई. पीज. निकालते, कहाँ वारिस निकालते लेकिन दोनों निकालने हैं। वारिस भी नामीग्रामी हों और वी. आई. पीज. भी नामीग्रामी हों। तो इसमें कौन नम्बरवन लेगा? फारेन लेगा, महाराष्ट्र लेगा वा मध्यप्रदेश लेगा? कौन लेगा? और भी ले सकते हैं लेकिन आज तो यह सामने बैठे हैं? अच्छा तो क्या सुना? जो ओटे सो अर्जुन गाया हुआ है ना? इसमें जो भी आगे जाये जा सकता है। अभी नम्बर आउट नहीं हुई हैं इसलिए जो भी निमित्त बन नम्बरवन आने चाहे वह आ सकते हैं। समझा क्या करना है? उसका साधन भी सुनाया-"उड़ती कला"। चढ़ती कला नहीं उड़ती कला। उसके लिए सदा डबल लाइट रहो। यह तो जानते हो ना! जानते सब हो अभी स्वरूप और अनुभव में लाओ। अच्छा!

ऐसे सदा बाप के साथी, हर संकल्प, बोल और कर्म में बाप समान अर्थात् बाप के समीप रत्न, सदा स्वरूप और सफलता स्वरूप, विजय माला के समीप रत्नों को बापदादा का यादप्यार और नमस्ते।'

=====

QUIZ QUESTIONS

=====

प्रश्न 1 :- विजयमाला में नंबर का आधार क्या है ?

प्रश्न 2 :- याद की माला में अपना नम्बर किस आधार से निकाल सकते हैं?

प्रश्न 3 :- फर्स्ट डिवीज़न वा सेकेण्ड डिवीजन की आत्माओं की विशेषतायें स्पष्ट कीजिए ?

प्रश्न 4 :- फर्स्ट डिवीज़न और तीसरी डिवीजन की आत्माओं में अंतर स्पष्ट कीजिए ?

प्रश्न 5 :- बापदादा कब से बच्चों की माला सिमरण करनी शुरू करते हैं, स्पष्ट कीजिए ?

FILL IN THE BLANKS:-

(पहेली, लौकिक, महाराष्ट्र, संकल्प, डिवीजन, समान, हिसाब, सीट, महारथी, साकार, संस्कार, सीटी, चांस, सहज, चरित्र)

1 जैसे _____ पढ़ाई में फर्स्ट डिवीजन, सेकेण्ड, थर्ड होती हैं, वैसे यहाँ भी _____, घोड़े सवार और पैदल तीन _____ हैं।

2 _____ में बापदादा के _____ में चरण पड़े। _____ भूमि भी महाराष्ट्र को बनाया।

3 _____, बोल, कर्म, _____ और सेवा सब में बाप जैसे _____ बनना अर्थात् समीप आना।

4 मैं कौन की _____ जानने का _____ बहुत _____ है।

5 अभी सभी को _____ है। अभी _____ फिक्स की _____ नहीं बजी है। इसलिए जो चाहो वह बन सकते हो।

सही-गलत वाक्यों को चिह्नित करें:- **【✓】** **【✗】**

1 :- उड़ती कला के लिए सदा डबल लाइट रहो।

2 :- 84 जन्म में यह वर्तमान का जन्म तो सबसे श्रेष्ठ है।

3 :- एक है वारिस और दूसरे हैं वी. आई. पीज.। तो वारिस भी निकालने हैं और वी. आई. पीज. भी निकालने हैं, यह है विशेष फल।

4 :- बापदादा की सेवा के आदि में पहली नजर उत्तर प्रदेश की तरफ गई।

5 :- याद और विजय दोनों के आधार से अपने आपको जान सकते हो।

QUIZ ANSWERS

प्रश्न 1 :- विजयमाला में नंबर का आधार क्या है ?

उत्तर 1 :- याद और अनुभव विजयमाला में नम्बर का आधार है

① जितना स्पष्ट अनुभव होगा उतना ही श्रेष्ठ वा समीप की आत्मा होंगे।

② वर्तमान सर्व प्राप्ति और भविष्य श्रेष्ठ प्रालब्ध की अधिकारी आत्मा होंगे।

③ वर्तमान समय बापदादा भी बच्चों के पुरुषार्थ और प्राप्ति के आधार पर नम्बरवार याद करते हैं।

प्रश्न 2 :- याद की माला में अपना नम्बर किस आधार से निकाल सकते हैं?

उत्तर 2 :- याद की माला में अपना नम्बर निम्न आधार से निकाल सकते हैं:-

① जो जितना स्नेह और जितना समय बाप को याद करते उतना स्नेह से बाप भी याद करते हैं।

② अगर आधा समय याद रहता और स्नेह भी 50 का है, वा 75 का है तो उसी आधार से सोचो 50 स्नेह और आधा समय याद तो माला में भी आधी माला समाप्त होने के बाद आयेंगे।

③ अगर याद निरन्तर और सम्पूर्ण स्नेह, सिवाए बाप के और कोई नजर ही नहीं आता, सदा बाप और आप भी कम्बाइन्ड हैं तो माला में भी कम्बाइन्ड दाने के साथ-साथ आप भी कम्बाइन्ड होंगे। अर्थात् साथ-साथ मिले हुए होंगे। सदा सब बातों में नम्बर वन होंगे। तो माला में भी नम्बरवन होंगे।

प्रश्न 3 :- फर्स्ट डिवीज़न वा सेकेण्ड डिवीजन की आत्माओं की विशेषताये स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर 3 :- फर्स्ट डिवीज़न वा सेकेण्ड डिवीजन की आत्माओं की निम्न विशेषताये हैं:-

① फर्स्ट डिवीजन- सदा फास्ट अर्थात् उड़ती कला वाले होंगे।सेकेण्ड डिवीजन- चढ़ती कला का अनुभव करेंगे लेकिन उड़ती कला का नहीं।

② सेकेण्ड डिवीजन- चढ़ती कला में आये हुए विघ्नों को पार करने में कभी ज्यादा, कभी कम समय लगायेंगे। उड़ती कला वाले ऊपर से क्रास करने के कारण ऐसे अनुभव करेंगे जैसे कोई विघ्न आया ही नहीं।

③ फर्स्ट डिवीजन- विघ्न को विघ्न नहीं लेकिन साइडसीन समझेंगे, रास्ते के नजारे हैं। और चढ़ती कला वाले- रूकेंगे, विघ्न है यह महसूस करेंगे। इसलिए जरा-सा लेसमात्र कभी-कभी पार करने की थकावट वा दिलशिकस्त होने का अनुभव करेंगे।

प्रश्न 4 :- फर्स्ट डिवीजन और तीसरी डिवीजन की आत्माओ में अंतर स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर 4 :- फर्स्ट डिवीजन और तीसरी डिवीजन की आत्माओ में निम्न अंतर है:-

फर्स्ट डिवीजन-

- ① सदा फास्ट अर्थात् उड़ती कला वाले होंगे।
- ② हर सेकेण्ड, हर संकल्प में बाप के साथ का, सहयोग का, स्नेह का अनुभव करेंगे।
- ③ सदा बाप के साथ और हाथ में हाथ की अनुभूति करेंगे।
- ④ 'सहयोग दो,' यह नहीं कहेंगे। सदा स्वयं को सम्पन्न अनुभव करेंगे।

तीसरी डिवीजन-

- ① रूकना और चलना और चिल्लाना। कभी चलेंगे, कब चिल्लाएंगे।

② याद की मेहनत में रहेंगे। क्योंकि सदा कम्बाइन्ड नहीं रहते।

③ सर्व सम्बन्ध निभाने के प्रयत्न में रहते हैं। पुरुषार्थ में ही सदा लगे रहते हैं।

वह प्रयत्न में रहते और वह प्राप्ति में रहते।

प्रश्न 5 :- बापदादा कब से बच्चों की माला सिमरण करनी शुरू करते हैं, स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर 5 :- बापदादा सदा अमृतवेले से बच्चों की माला सिमरण करनी शुरू करते हैं। हरेक रत्न की वा मणके की विशेषता देखते हैं। तो बच्चे अमृतवेले सहज ही अपने आपको भी चेक कर सकते हैं। याद की शक्ति से, सम्बन्ध की शक्ति से, स्पष्ट रूहानी टी.वी. में देख सकते हो कि बापदादा किस नम्बर में मुझे सिमरण कर रहे हैं। उसके लिए विशेष बात-बुद्धि की लाइन बहुत क्लीयर चाहिए। नहीं तो स्पष्ट नहीं देख सकेंगे।

FILL IN THE BLANKS:-

(पहेली, लौकिक, महाराष्ट्र, संकल्प, डिवीजन, समान, हिसाब, सीट, महारथी, साकार, संस्कार, सीटी, चांस, सहज, चरित्र)

1 जैसे _____ पढ़ाई में फर्स्ट डिवीजन, सेकेण्ड, थर्ड होती हैं, वैसे यहाँ भी _____, घोड़े सवार और पैदल तीन _____ हैं।

लौकिक / महारथी / डिवीज़न

2 _____ में बापदादा के _____ में चरण पड़े। _____ भूमि भी महाराष्ट्र को बनाया।

महाराष्ट्र / साकार / चरित्र

3 _____, बोल, कर्म, _____ और सेवा सब में बाप जैसे _____ बनना अर्थात् समीप आना।

संकल्प / संस्कार / समान

4 मैं कौन की _____ जानने का _____ बहुत _____ है।

पहेली / हिसाब / सहज

5 अभी सभी को _____ है। अभी _____ फिक्स की _____ नहीं बजी है। इसलिए जो चाहो वह बन सकते हो।

चांस / सीट / सिटी

सही-गलत वाक्यों को चिह्नित करें:- [✓] [✗]

1 :- उड़ती कला के लिए सदा डबल लाइट रहो। [✓]

2 :- 84 जन्म में यह वर्तमान का जन्म तो सबसे श्रेष्ठ है। [✓]

3 :- एक है वारिस और दूसरे हैं वी. आई. पीज.। तो वारिस भी निकालने हैं और वी. आई. पीज. भी निकालने हैं, यह है विशेष फल। [✗]

एक है वारिस और दूसरे हैं वी. आई. पीज.। तो वारिस भी निकालने हैं और वी. आई. पीज. भी निकालने हैं, यह है डबल फल।

4 :- बापदादा की सेवा के आदि में पहली नजर उत्तर प्रदेश की तरफ गई। [✗]

बापदादा की सेवा के आदि में पहली नजर मध्यप्रदेश की तरफ गई।

5 :- याद और विजय दोनों के आधार से अपने आपको जान सकते हो। [✓]